SEM-3, SE-301, By- Dr. Shyam Bihari Choudhary

TOPIC – Concept of learning disabled children

Camlin Page (1) Date 21/10/2020

1. व्यक्ति विशेष की अधिगम अक्षमताओं को व्यक्ति की मूलभूत मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं में व्यवधान डालने वाले एक विशेष प्रकार के विकारों के रूप में समझा जाना चाहिए

2. व्यक्ति की इस प्रकार के विकारों का संबंध उसके स्वयं के अंदर निहित कारकों – जैसे केन्द्रीय स्नायु संस्थान की कार्य प्रणाली में असामान्यता या दोष (जैसे मस्तिष्क और स्नायु तन्त्रिका के क्षतिग्रस्त होने से ज्ञानात्मक प्रत्यक्षीकरण योग्यता और अधिगम पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना) से ही होता है

3. यद्यपि कुछ बाह्य कारकों जैसे – मानसिक मंदता, इन्द्रियजनित दोष, संवेगात्मक उथल-पुथल, सांस्कृतिक पिछड़ापन, शैक्षिक सुविधाओं तथा अवसरों का अभाव, गरीबी, भूसम प्राकृतिक आपदाओं की उपस्थिति में विभिन्न कारकों अधिगम समस्याएँ जन्म ले सकती हैं। परन्तु फिर भी अधिगम अक्षमताओं और अपंगता को इस प्रकार के बाह्य कारकों का प्रत्यक्ष उत्पादन नहीं माना जा सकता।

4. अधिगम अक्षमता या अपंगता से ग्रसित बालक आवश्यक रूप से किसी एक या एक से अधिक संज्ञानात्मक क्षेत्र से जुड़ी हुई अति विशिष्ट गहन अधिगम समस्याओं के शिकार होते हैं। जैसे किसी नई बात को समझने या ज्ञान को ग्रहण करने में असमर्थता, भाषा संबंधी सम्प्रेषण, सुनने-बोलने लिखने-पढ़ने आदि में काफी कठिनाई अनुभव करना तथा सामाजिक कुशलताओं के अर्जन में असमर्थता दिखाना आदि

5. जो बालक सीखने में थोड़ी मामूली कठिनाई अनुभव करते हैं या जिनकी यह कठिनाई अस्थाई होती हैं उन्हें अधिगम अक्षम